अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) गत्यसाधारणसहायो धर्मः।

(ख) चतुर्धा तत्स्थितिः।

(ग) द्वयधिकादिगुणत्वे सदृशानाम्।

(घ) साकारोऽनाकारश्च।

(ङ) कर्मसमुत्था कार्मिकी।

(च) देवनारकाणामुपपातः।

प्र. 2 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(क) पूर्वाचार्यों ने परमाणु का क्या लक्षण बताया?

(ख) संयोग कितने प्रकार का है? नाम लिखें।

(ग) जन्म के प्रकार व एकार्थवाची शब्द लिखें।

(घ) औदयिक भाव के प्रकार लिखें।

(ङ) अवधि और मनःपर्यव ज्ञान का अन्तर कौन से भेदों से समझा जा सकता है?

(च) अनाकार उपयोग से क्या अभिप्राय है?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 10

(क) परमाणुओं के एकीभाव को क्या कहते हैं? उसकी प्रक्रिया लिखें।

(ख) अवग्रह को व्याख्यायित करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन करें।

(ग) जीवों की सजीवता को प्रमाणित करें।

गमा का थोकड़ा - 70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) घर किसे कहा गया है?

(ख) असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय कौन से देवलोक तक जा सकता है?

(ग) प्रथम नरक में कौन से जीव उत्पन्न होते हैं?

(घ) छठी नरक में कितने व कौन से संहनन वाले जीव जा सकते हैं?

(ङ) असुरकुमार में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति में उत्कृष्ट अवगाहना कितनी और क्यों?

(च) जब नाभि कुलकर की अवगाहना 500 धनुष्य साधिक थी उस समय तिर्यंच यौगलिक की अवगाहना कितनी होती थी?

(छ) यौगलिक की स्थिति कितनी होती है?

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) प्रथम तीन द्वार के नाम और अर्थ लिखें।

(ख) प्रथम नरक में संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति के 4, 5, 6 गमक का नाणता लिखें।

(ग) तीसरी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के चौथे व सातवें गमक का अध्यवसाय तथा अनुबंध द्वार लिखें।

(घ) धूमप्रभा में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र का अवगाहना द्वार लिखें।

(ङ) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति के यंत्र में वेद द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(च) असुरकुमार में कितने व कौन से स्थानों से उत्पत्ति होती है?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 54

(क) प्रथम नरक में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र में लेश्या द्वार, योग द्वार और अध्यवसाय द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ख) दूसरी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति का उपपात द्वार तथा आयु द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ग) चौथी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में 4, 5, 6 गमक का ज्ञान-अज्ञान द्वार अपेक्षा भेद से लिखते हुए संहनन कौन-कौन से हैं, लिखें।

(घ) यंत्र 10 के चौथे, पांचवें और सातवें, आठवें गमक की लेश्या, समुद्घात व नाणता लिखें।

(ङ) यंत्र 11 का काय-संवेध द्वार लिखें।

(च) असुरकुमार में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के प्रथम तीन गमक का उपपात द्वार, अवगाहना द्वार और लेश्या द्वार लिखें।

(छ) असुरकुमार में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति का काय-संवेध द्वार लिखें।

(ज) नौ निकाय में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति के 3, 4, 5, 6 गमकों का उपपात द्वार, अवगाहना द्वार तथा नाणता लिखें।

(झ) नौ निकाय में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में 3, 4, 5 गमकों के ज्ञान-अज्ञान द्वार से लेकर वेद द्वार तक इन नौ द्वारों को लिखें।

(ञ) यंत्र 24 का अवगाहना द्वार व उपपात द्वार लिखें।